



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15—सितम्बर 21, 2012 (भाद्रपद 24, 1934)
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15—SEPTEMBER 21, 2012 (BHADRA 24, 1934)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

(गैर बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग)

मुंबई-400005, दिनांक 1 अगस्त 2012

सं. गैरबैंकिंग वि.प्र. सं.248/मुमप्र (यूएस)-2012--भारतीय रिज़र्व बैंक, जनता के हित में यह आवश्यक समझकर और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के हित में ऋण प्रणाली को विनियमित करने के लिए, बैंक को समर्थ बनाने के प्रयोजन से 22 फरवरी 2007 की अधिसूचना सं.डीएनबीएस. 192/डीजी (वीएल)-2007 में अंतर्विष्ट गैर बैंकिंग वित्तीय (जमाशायियां स्वीकारने या धारण करने वाली) कंपनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिज़र्व बैंक) निदेश 2007 को संशोधित करना आवश्यक है भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 अक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त निदेश को तत्काल प्रभाव से निम्नवत् संशोधित करने का निदेश देता है, यथा :--

1. गैर बाजार संबंधी तुलन पत्र से इतर मर्दे शीर्षक के तहत पैरा 16(2) के स्पष्टीकरण सं. (2) के क्रम सं. X यथा 'एक वर्ष तक की

मूल परिपक्वता के साथ समरूप प्रतिबद्धताएं, या जो किसी भी समय, बिना शर्त रद्द की जा सकेगी' को निम्नलिखित से हटाया जाए।

'समरूप प्रतिबद्धताएं जो गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना और बिना किसी शर्त के किसी भी समय रद्द किया जा सकेगा या जो उधारकर्ता के ऋण पात्रता में गिरावट के कारण स्वतः रद्द होने के लिए प्रभावी होंगी।'

2. गैर बाजार संबंधी तुलन पत्र से इतर मर्दे के अंतर्गत नोट सं. ii में अंतिम वाक्य के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाए,

'उदाहरणार्थ :

एक बड़ी परियोजना के लिए रु. 700 करोड़ की मयादी ऋण स्वीकृत की गई जिसे तीन वर्ष की समयावधि में चरण क्रम में आहरण किया जा सकता है। स्वीकृति की शर्तों के अनुसार तीन चरण में आहरण की अनुमति है--प्रथम चरण में रु. 150 करोड़, द्वितीय चरण में रु. 200 करोड़ तथा तृतीय चरण में रु. 350 करोड़, जिसमें उधारकर्ता को नियमित औपचारिकतायें पूरा करने के बाद II और III चरण के तहत

आहरण के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का स्पष्ट अनुमोदन प्राप्त करना होगा। यदि उधारकर्ता द्वारा I चरण के तहत रु. 50 करोड़ का आहरण किया जा चुका है तब केवल I चरण के अनाहरित भाग के लिए गणना की जाएगी जो कि रु. 100 करोड़ है। यदि I चरण को एक वर्ष के अंदर पूरा किया जाता है तब सीसीएफ 20% होगा तथा यदि यह एक वर्ष से अधिक समय के लिए है तब सीसीएफ 50 प्रतिशत लागू होगा।

उमा सुब्रमणियम
प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

सं. गैरबैंकिंग वि. प्र. सं. 249/मुमप्र (यूएस)-2012--भारतीय रिजर्व बैंक, जनता के हित में यह आवश्यक समझकर और इस बात से संतुष्ट होकर कि देश के हित में ऋण प्रणाली को विनियमित करने के लिए, बैंक को समर्थ बनाने के प्रयोजन से 22 फरवरी 2007 की अधिसूचना सं. डीएनबीएस. 193/डीजी (वीएल)-2007 में अंतर्विष्ट गैर बैंकिंग वित्तीय (जमाराशियां नहीं स्वीकारने या नहीं धारण करने वाली) कंपनी विवेकपूर्ण मानदण्ड (रिजर्व बैंक) निदेश 2007 को संशोधित करना आवश्यक है भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 अक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त निदेश को तत्काल प्रभाव से निम्नवत् संशोधित करने का निदेश देता है, यथा :--

1. गैर बाजार संबंधी तुलन पत्र से इतर मर्दे शीर्षक के तहत पैरा 16(2) के स्पष्टीकरण सं. (2) के क्रम सं. X यथा 'एक वर्ष तक की मूल परिपक्वता के साथ समरूप प्रतिबद्धताएं, या जो किसी भी समय, बिना शर्त रद्द की जा सकेंगी' को निम्नलिखित से हटाया जाए :

'समरूप प्रतिबद्धताएं जो गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना और बिना किसी शर्त के किसी भी समय रद्द किया जा सकेगा या जो उधारकर्ता के ऋण पात्रता में गिरावट के कारण स्वतः रद्द होने के लिए प्रभावी होंगी।'

2. गैर बाजार संबंधी तुलन पत्र से इतर मर्दे के अंतर्गत नोट सं. ii में अंतिम वाक्य के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाए,

'उदाहरणार्थ :

एक बड़ी परियोजना के लिए रु. 700 करोड़ की मयादी ऋण स्वीकृत की गई जिसे तीन वर्ष की समयावधि में चरण क्रम में आहरण किया जा सकता है। स्वीकृति की शर्तों के अनुसार तीन चरण में आहरण की अनुमति है--प्रथम चरण में रु. 150 करोड़, द्वितीय चरण में रु. 200 करोड़ तथा तृतीय चरण में रु. 350 करोड़, जिसमें उधारकर्ता को नियत औपचारिकतायें पूरा करने के बाद II और III चरण के तहत आहरण के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का स्पष्ट अनुमोदन प्राप्त करना होगा। यदि उधारकर्ता द्वारा I चरण के तहत रु. 50 करोड़ का आहरण किया जा चुका है तब केवल I चरण के अनाहरित भाग के लिए गणना की जाएगी जो कि रु. 100 करोड़ है। यदि I चरण को एक वर्ष के अंदर पूरा किया जाता है तब सीसीएफ 20% होगा तथा यदि यह एक वर्ष से अधिक समय के लिए है तब सीसीएफ 50 प्रतिशत लागू होगा।

उमा सुब्रमणियम
प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 2012

सं. एन-15/13/14/4/2012-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 सितम्बर, 2012 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95क तथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिलनाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :--

केन्द्र	निम्न क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजस्व गाँव
नामक्कल जिला में वेप्पोडै क्षेत्र	1. एलन्थाकुट्टै 2. पथरै 3. सौधापुरम 4. अनंगूर 5. मोदमंगलम 6. कुप्पन्डम्पाळ्यम 7. समयसंगिली 8. कलियनूर

एस. रविचन्द्रन
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

सं. एन-15/13/14/3/2012-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 सितम्बर, 2012 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95क तथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिलनाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :--

केन्द्र	निम्न क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजस्व गाँव
वेलूर जिला में पळ्ळिकोडा केन्द्र में	1. सेदुवलै 2. सत्यमंगलम 3. इरैवनकाडु 4. कीलचूर 5. अगरम्बेरी 6. पळ्ळिकोडा 7. ओक्कनपुरम 8. वेट्टुवनम्

एस. रविचन्द्रन
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

सं. एन-15/13/15/3/2012-यो. एवं वि.--कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 सितम्बर, 2012 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95क तथा पश्चिम बंगाल कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ पश्चिम बंगाल राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :--

क्रम सं.	राजस्व क्षेत्रों/मौजा के नाम	जे. एल. संख्या	ग्राम पंचायतों के नाम/नगरपालिका	जिलों के नाम
1.	गोपजन	18	राधारघाट 1 ग्राम पंचायत	मुर्शिदाबाद
2.	नागपाड़ा	103	हातिनगर ग्राम पंचायत	मुर्शिदाबाद
3.	शिवडांगा बादारपुर	79	मनिन्द्र नगर ग्राम पंचायत	मुर्शिदाबाद
4.	काशिमबाजार	102	मनिन्द्र नगर ग्राम पंचायत	मुर्शिदाबाद
5.	बानजेटिया	105	मनिन्द्र नगर ग्राम पंचायत	मुर्शिदाबाद
6.	गोराबाजार	90	बरहमपूर नगरपालिका	मुर्शिदाबाद
7.	गढ़ बरहमपूर	91	बरहमपूर नगरपालिका	मुर्शिदाबाद
8.	खागड़ा	97	बरहमपूर नगरपालिका	मुर्शिदाबाद

एस. रविचन्द्रन
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

RESERVE BANK OF INDIA
(DEPARTMENT OF NON-BANKING SUPERVISION)

Mumbai-400005, the 1st August 2012

No. DNBS(PD)248/CGM(US)-2012—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in public interest and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial (Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007 (hereinafter referred to as the said Directions), contained in Notification No. DNBS.192/DG(VL)-2007 dated February 22, 2007, in exercise of the powers conferred by Section 45JA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said Directions shall be amended with immediate effect as follows, namely—

1. In Explanation No. (2) of para 16(2), under the title, 'Non-market-related off-balance sheet items' the item no. x, viz; 'similar commitments with an original maturity upto one year, or which can be unconditionally cancelled at any time' may be replaced with the following :

'Similar commitments that are unconditionally cancellable at any time by the NBFC without prior notice or that effectively provide for automatic cancellation due to deterioration in a borrower's credit worthiness'.

2. In the note no. ii under 'Non-market-related off-balance sheet items', the following may be added after the last sentence,

'For example :

A term loan of Rs. 700 cr is sanctioned for a large project which can be drawn down in stages over a three year period. The terms of sanction allow draw down in three stages—Rs. 150 cr in Stage I, Rs. 200 cr in Stage II and Rs. 350 cr in Stage III, where the borrower needs the NBFC's explicit approval for draw down under Stages II and III after completion of certain formalities. If the borrower has drawn already Rs. 50 cr under Stage I, then the undrawn portion would be computed with reference to Stage I alone i.e., it will be Rs. 100 cr. If Stage I is scheduled to be completed within one year, the CCF will be 20 percent and if it is more than one year then the applicable CCF will be 50 per cent'.

UMA SUBRAMANIAM
Chief General Manager-in-Charge

No. DNBS(PD)249/CGM(US)-2012—The Reserve Bank of India, having considered it necessary in public interest and being satisfied that, for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to amend the Non-Banking Financial

(Non-Deposit Accepting or Holding) Companies Prudential Norms (Reserve Bank) Directions, 2007 (hereinafter referred to as the said Directions), contained in Notification No. DNBS.193/DG(VL)-2007 dated February 22, 2007, in exercise of the powers conferred by Section 45JA of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, hereby directs that the said Directions shall be amended with immediate effect as follows, namely—

1. In Explanation No. (2) of para 16(2), under the title, 'Non-market-related off-balance sheet items' the item no. x, viz; 'similar commitments with an original maturity upto one year, or which can be unconditionally cancelled at any time' may be replaced with the following :

'Similar commitments that are unconditionally cancellable at any time by the NBFC without prior notice or that effectively provide for automatic cancellation due to deterioration in a borrower's credit worthiness'.

2. In the note no. ii under 'Non-market-related off-balance sheet items', the following may be added after the last sentence,

'For example :

A term loan of Rs. 700 cr is sanctioned for a large project which can be drawn down in stages over a three year period. The terms of sanction allow draw down in three stages—Rs. 150 cr in Stage I, Rs. 200 cr in Stage II and Rs. 350 cr in Stage III, where the borrower needs the NBFC's explicit approval for draw down under Stage II and III after completion of certain formalities. If the borrower has drawn already Rs. 50 cr under Stage I, then the undrawn portion would be computed with reference to Stage I alone i.e., it will be Rs. 100 cr. If Stage I is scheduled to be completed within one year, the CCF will be 20 percent and if it is more than one year then the applicable CCF will be 50 per cent'.

UMA SUBRAMANIAM
Chief General Manager-in-Charge

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 9th August 2012

No. N-15/13/14/4/2012-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st September, 2012 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1958 shall be extended to

the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

Centre	Area Comprising the Revenue Villages of
Veppodai area in Namakkal District	1. Elanthakuttai
	2. Patharai
	3. Sowdhapuram
	4. Anangur
	5. Modamangalam
	6. Kuppandampalayam
	7. Samayasangili
	8. Kalianoor

S. RAVICHANDRAN
Jt. Dir. (P&D)

No. N-15/13/14/3/2012-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the

Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st September, 2012 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1958 shall be extended to the families of insured persons in the following areas in the State of Tamil Nadu namely :—

Centre	Area Comprising the Revenue Villages of
Pallikonda Centre in Vellore District	1. Seduvalai
	2. Sathyamangalam
	3. Eraivankadu
	4. Kilachur
	5. Agaramcheri
	6. Pallikonda
	7. Okkanapuram
	8. Vettuvanam

S. RAVICHANDRAN
Jt. Dir. (P&D)

No. N-15/13/15/3/2012-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st September, 2012 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the West Bengal Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of West Bengal namely :—

Sl. No.	Name of Mouza	J. L. No.	Name of Municipality/Gram Panchayat	Name of District
1.	Gopjan	18	Radharghat I Gram Panchayat	Murshidabad
2.	Nagpara	103	Hatinagar Gram Panchayat	Murshidabad
3.	Shibdanga Badarpur	79	Manindra Nagar Gram Panchayat	Murshidabad
4.	Cossimbazar	102	Manindra Nagar Gram Panchayat	Murshidabad
5.	Banjetia	105	Manindra Nagar Gram Panchayat	Murshidabad
6.	Gorabazar	90	Berhampur Municipality	Murshidabad
7.	Garh Berhampur	91	Berhampur Municipality	Murshidabad
8.	Khagra	97	Berhampur Municipality	Murshidabad

S. RAVICHANDRAN
Jt. Dir. (P&D)

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2012
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND
PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2012